www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 96 | जौनपुर, सोमवार, 23 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

6 आपराधिक मामलों में 26 फरवरी 2027 तक अंतरिम सुरक्षा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़ी एक अहम खबर में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत मिली है। अदालत ने राज्य के अलग–अलग पुलिस थानों में दर्ज छह आपराधिक मामलों में उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई से मिली अंतरिम सुरक्षा की अवधि ा बढ़ा दी है। अब यह राहत 26 फरवरी 2027 तक या अदालत के अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी।सोमवार, 23 नवंबर को जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने अभिषेक बनर्जी की ओर से दाखिल दो अलग–अलग याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। ये मामले इस साल मई के बाद उनके खिलाफ दर्ज किए गए थे। अदालत ने कहा कि संबंधित मामलों की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और मौजूदा परिस्थितियों में ऐसा कोई बदलाव सामने नहीं आया है, जिसके आध ार पर अंतरिम राहत को आगे बढ़ाने से इनकार किया जाए।अभिषेक बनर्जी को मिली राहत छह आपराधिक मामलों से संबंधित है। इनमें से तीन मामलों में अंतरिम सुरक्षा 25 अगस्त को दी गई थी। ये प्राथमिकी भवानीपुर, विष्णुपुर और कालीतला पुलिस थानों में दर्ज हैं। इन मामलों में पुलिस को अभिषेक बनर्जी के खिलाफ फिलहाल दंडात्मक या जबरन कार्रवाई करने से रोका गया है। इन तीन मामलों में राहत की अवधि बढ़ाने की मांग पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने इसका विरोध किया।

अगले चुनावों में तेलंगाना विधानसभा की 90 सीटें जीतेगी कांग्रेस–रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को विश्वास जताया कि कांग्रेस 90 सीटें और एक करोड़ वोट हासिल करके तेलंगाना में सत्ता बरकरार रखेगी।तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) की राजनीतिक मामलों की समिति और सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व अगले विधानसभा चुनाव जीतने के लिए एक रणनीति तैयार कर रहा है।उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना में सत्ताधारी कांग्रेस को और मजबूत करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस पार्टी को 92,35,833 वोट मिले और उसने 119 सदस्यीय विधानसभा में 64 सीटें जीतीं। कांग्रेस की राजनीतिक सहयोगी सीपीआई ने एक सीट जीती। यह याद दिलाते हुए कि अतीत में टीडीपी और बीआरएस ने लगातार दो बार विधानसभा चुनाव जीते थे, उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस भी जीतेगी और 10 वर्षों तक सत्ता में रहेगी।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नेताओं को चेतावनी दी कि वे सार्वजनिक रूप से सरकार के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी करना बंद करें।

सरयू- कमला एक्सप्रेस से जीवंत होंगे अयोध्या, और मिथिला के संबंध - सीएम आदित्यनाथ योगी



अयोध्या, (संवाददाता)। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या को नेपाल के जनकपुर से जोड़ने वाली सरयू–कमला एक्सप्रेसश दोनों क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को फिर से जीवंत करेगी। उन्होंने कहा कि इस रेल सेवा के शुरू होने से नेपाल के श्रद्धालु सीधे राम लल्ला के दर्शन कर सकेंगे, जबकि भारत के श्रद्धालु जनकपुर धाम जाकर माता जानकी का आशीर्वाद ले सकेंगे। यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या धाम को जनकपुर धाम से जोड़ने वाली श्सरयू–कमला एक्सप्रेसश के रूप में, अयोध्या और मिथिला – इन दो संस्कृतियों के पवित्र और पौराणिक मिलन को आज फिर से पुनर्जीवित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच संबंध हजारों वर्षों की साझा आस्था पर आधारित हैं, जिसे आम तौर पर श्रोटी–बेटीश का रिश्ता कहा जाता है। उन्होंने कहा कि महर्षि विश्वामित्र के साथ राम और लक्ष्मण की मिथिला यात्रा, और उसके बाद राजा दशरथ का बारात लेकर जनकपुर पहुंचना – इन घटनाओं को आज भी श्विवाह पंचमीश और अन्य पारंपरिक उत्सवों के माध्यम से एक जीवंत परंपरा के रूप में मनाया जाता है। आदित्यनाथ ने राम मंदिर आंदोलन में नेपाल के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के संतों, युवाओं, महिलाओं और आम श्रद्धालुओं के बलिदान और समर्थन को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के दौरान, माता जानकी के मायके जनकपुर धाम से सैकड़ों श्रद्धालु शुभ उपहारों और अपार स्नेह के साथ अयोध्या पहुंचे। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने श्सरयू–कमला एक्सप्रेसश का उद्घाटन किया। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम को नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ेगी। अयोध्या से जनकपुर ट्रेनरू प्रस्थान और आगमन का समय – पहली विशेष ट्रेन सोमवार, 23 नवंबर को दोपहर 12.30 बजे अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से रवाना होगी।

वीवीपी से बदली भारत–चीन सीमा के गांवों की तस्वीर, 40 गांवों में लौट रहे लोग – गृह मंत्री अमित शाह



नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र के फ्लैगशिप वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के तहत बॉर्डर इलाकों में आधुनिक सुविधाओं के साथ विकास होने के बाद, चीन बॉर्डर से सटे अरुणाचल प्रदेश के 40 गांवों के लोग अपने घर लौट रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश में 5,610 करोड़ रुपये से ज्यादा की चार बड़ी विकास परियोजनाओं को लॉन्च करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बॉर्डर के गांवों को देश का पहला गांव घोषित किया है और स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा और पीने के पानी की सप्लाई जैसी जरूरी सुविधाएं देकर उनका चौतरफा विकास कर रही है। गृह मंत्री शाह द्वारा शुरू की गई इन परियोजनाओं में 'मिशन शिक्षित अरुणाचल– फेज टू', विद्युत विकास परियोजना, ग्रामीण सड़क विकास के काम और 11 बॉर्डर जिलों में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत 199 परियोजनाएं शामिल हैं। गृह मंत्री ने कहा कि वीवीपी के जरिए सरकार का मकसद देश के सभी सीमावर्ती गांवों को विकसित करना और लोगों को बेहतर रोजी–रोटी के मौकों और सुविधाओं की तलाश में शहरी इलाकों में जाने से रोकना है। उन्होंने कहा, "सीमावर्ती गांवों का विकास सरकार की प्राथमिकता है। अगर गांव वाले आर्थिक और दूसरे तरीकों से मजबूत होंगे, तो उनकी जीवन शैली बदलेगी और उनकी खुशी बढ़ेगी।" गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना और इंडो–तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के कृषि उत्पादन को बढ़ाने और उनके स्थानीय तौर पर उगाए गए उत्पादों की मार्केटिंग में मदद कर रहे हैं।

अयोध्या से जनकपुर सीधी ट्रेन, सीएम मोदी और बालेन शाह ने दिखाई हरी झंडी

अयोध्या, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह, उत्तर प्रदेश के अयोध्या कैंट को नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ने वाली नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। अयोध्या से सरयू–कमला एक्सप्रेस में सवार होने जा रहे एक यात्री ने अयोध्या और जनकपुर को जोड़ने वाली नई ट्रेन सेवा को लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा कि इससे इन दोनों धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा आसान हो जाएगी। यात्री ने एएनआई को बताया इसे लेकर काफी उत्साह है। कई श्रद्धालु इसमें सफर करेंगे... यह ट्रेन उन दो जगहों को जोड़ती है जो लोगों की भावनाओं से जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेपाली समकक्ष बालेन शाह आज इस ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह और उनके भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली में एक उच्च–स्तरीय द्विपक्षीय बैठक की। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि यह बैठक बालेन शाह की आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान हुई। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने आगे बताया कि नेपाली प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार कुमार ब्यंजनकर, राजनीतिक सलाहकार असीम शाह, विदेश सचिव अमृत बहादुर राय और भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. निश्चल नाथ पांडे सहित।



डिग्री मंजिल नहीं, नई यात्रा की शुरुआत - राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडीयू) के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि डिग्री मंजिल नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि डिग्री किसी भी व्यक्ति की क्षमता का अंतिम पैमाना नहीं हो सकता। तेजी से बदलती दुनिया और एआई के दौर में युवाओं की सफलता केवल शैक्षिक योग्यता से तय नहीं होगी, बल्कि कौशल, आत्मविश्वास और लगातार सीखने की इच्छाशक्ति भी जरूरी होगी। दीक्षांत समारोह में सत्र 2025–26 के स्नातक, परास्नातक और शोध के 3606 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को मिले 51 स्वर्ण पदक और 168 शैक्षणिक पुरस्कार दिए गए। राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों से चुनौतियों और असफलताओं से न घबराने व नए रास्ते तलाशने का आह्वान किया। कहा कि भारत विज्ञान, तकनीक, शोध, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. अखिलेश दास गुप्ता ने उच्च शिक्षा को समाज और प्रदेश के विकास का महत्वपूर्ण आधार माना था। प्रति कुलपति विरास सागर दास ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ नवाचार, व्यावहारिक अनुभव और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर चांसलर अलका दास सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे। बीबीडी शैक्षिक समूह के पूर्व छात्र मिलन समारोह–2026 में आठ पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। सामाजिक सेवा उत्कृष्टता पुरस्कार भारतीय राजस्व सेवा के अतिरिक्त आयुक्त हसन अहमद और आयकर विभाग के सहायक निदेशक प्रिंस बाबू मिश्रा को मिला। प्रशांत मालवीय को सर्वश्रेष्ठ पूर्व छात्र उद्यमी पुरस्कार, जबकि अरबाब अहमद और निलय अग्रवाल को हरित योद्धा सम्मान दिया गया। नेतृत्व के लिए अतुल प्रताप सिंह, शिवम त्रिपाठी और तनवीर नूर को सम्मानित किया गया।



भूपेंद्र यादव ने की वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 92वीं बैठक की अध्यक्षता, समुद्री संरक्षण पर रहा जोर



नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति (एससी–एनबीडब्ल्यूएल) की 92वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य विषय समुद्री वन्यजीव संरक्षण रहा। इस दौरान समुद्री जैव विविधता से जुड़ी कई रिपोर्ट और प्रकाशन जारी किए गए। साथ ही, देशभर के 133 विकास प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। बैठक में वन्यजीव सप्ताह 2026 की रिपोर्ट पर विचार किया गया। इस वर्ष वन्यजीव सप्ताह 'आवासों को जोड़ना, वन्यजीवों को समृद्ध बनाना' थीम के तहत मनाया गया था। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान की गई प्रमुख पहलों का उल्लेख किया। इनमें बक्सा में बाघों का पुनर्वास, राजस्थान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को जंगल में छोड़ना और प्रोजेक्ट चीता का तीसरे स्थल तक विस्तार शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पहल जमीन पर विज्ञान आधारित वन्यजीव संरक्षण के ठोस प्रयासों को दर्शाती हैं। भूपेंद्र यादव ने वन्यजीव सप्ताह के दौरान चुने गए पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और वन्यजीव संरक्षण में अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों तथा स्थानीय समुदायों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने उत्कृष्ट योगदान के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों और संगठनों को सम्मानित किया। वन्यजीव निगरानी और विशेष कौशलरू उमेश भारत कलसारपे (महाराष्ट्र), अश्विनसिंह किरीतसिंह जडेजा (गुजरात) और बहराइच मानव–वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन समूह (उत्तर प्रदेश)। सामुदायिक संरक्षण पुरस्काररूव्हेल शार्क संरक्षण के लिए श्री महावीर मच्छीमार सहकारी मंडली लिमिटेड, मंगरोल (गुजरात) और पोन्नुरुवी इको–टूरिज्म प्रबंधन समिति, सिरुमलाई हिल्स (तमिलनाडु)। बैठक में भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के वैज्ञानिकों ने समुद्री और स्थलीय वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतियां दीं।

सृष्टि फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष बिपिन गुप्ता का कानपुर में स्वागत

कानपुर, संवाददाता। सृष्टि फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष बिपिन गुप्ता महासम्मेलन में शिरकत करने के लिए उत्तर प्रदेश पहुंचे। कानपुर आगमन पर सृष्टि फाउंडेशन के कानपुर अध्यक्ष विक्रम सिंह के नेतृत्व में उनका जोरदार स्वागत किया गया। श्री बिपिन गुप्ता का स्वागत करने वालों में विक्रम सिंह के साथ मंगल अधिवक्ता, इंतजार हुसैन आदि कई लोग शामिल रहे। इस दौरान साथियों के साथ मुलाकात कर समाज सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद हुआ। उल्लेखनीय है कि सृष्टि फाउंडेशन समाज में सेवा और शिक्षा की भावना को बढ़ावा देने के साथ–साथ भारतीय कला और संस्कृति को संजोने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। संस्था के प्रमुख सामाजिक अभियानों में चिकित्सा शिविरों (मेडिकल कैंप) का आयोजन, शैक्षणिक अभियान और सामुदायिक सेवा से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संस्था द्वारा प्रसिद्ध कवियों और शायरों की मौजूदगी में कवि सम्मेलन और मुशायरा, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा बॉलीवुड अभिनेताओं, आईएएसध्आईआरएस अधिकारियों और समाज सुधारकों के साथ प्रेरक संवाद व परिचर्चाओं का भी आयोजन किया जाता है।



दोहरी रेल लाइन, नई ट्रेनों और आधुनिक स्टेशनों से बदली अयोध्या की रेल तस्वीर

रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से श्रद्धालुओं और यात्रियों को मिली सहूलियत, अयोध्या धाम–कैंट स्टेशन का हुआ आधुनिकीकरण



अयोध्या। वर्ष 2014 के बाद अयोध्या में रेल सुविधाओं और आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली है। रेल लाइन के दोहरीकरण और विद्युतीकरण से लेकर आधुनिक रेलवे स्टेशनों के निर्माण, नई ट्रेनों के संचालन और विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव की सुविधा तक कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इन प्रयासों से अयोध्या की रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है। श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय यात्रियों के आवागमन को भी पहले से अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में काम हुआ है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद वर्ष 2014 और 2019 के अपने संसदीय कार्यकाल के दौरान पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अयोध्या की रेल सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता देते हुए लगातार रेल मंत्रालय से संपर्क और समन्वय बनाए रखा। राममंदिर निर्माण की शुरुआत से कई वर्ष पहले ही इस दूरगामी परिकल्पना को धरातल पर उतारने की पहल शुरू हो गई थी। तब अयोध्या के रेल विकास की जो रूपरेखा तैयार की गई थी, आज वह एक विस्तृत तस्वीर के रूप में सामने आ रही है। देश के कोने–कोने से अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेल आवागमन का प्रमुख माध्यम बन चुकी है। राममंदिर निर्माण के साथ अयोध्या की बढ़ती धार्मिक और पर्यटन महत्ता ने इन प्रयासों को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है,दोहरी रेल लाइन और विद्युतीकरण से बढ़ी रेल क्षमता, बाराबंकी– अयोध्या–जौनपुर रेलखंड पर लगभग 238 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के दोहरीकरण का कार्य रेल यातायात की क्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रहा है। इसके साथ अकबरपुर–अयोध्या कैंट–बाराबंकी रेलखंड और अयोध्या कैंट–सुल्तानपुर रेलखंड का विद्युतीकरण किया गया। अयोध्या प्रयागराज मार्ग पर लाइन दोहरीकरण का कार्य चल रहा है।इससे इलेक्ट्रिक ट्रेनों के संचालन को सुविधा मिली और रेल परिचालन अधिक सुगम हुआ। अयोध्या और अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशनों पर यार्ड रीमॉडलिंग के कार्य भी कराए गए,अयोध्या धाम और कैंट स्टेशन का आधुनिकीकरण अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का प्रथम चरण में 240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया गया। मंदिर की स्थापत्य शैली पर आधारित तीन मंजिला आधुनिक भवन के साथ लिफ्ट, एस्केलेटर, प्रतीक्षालय, फूड प्लाजा, क्लॉक रूम, चाइल्ड केयर रूम, यात्री सूचना प्रणाली, दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं, पार्किंग और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट विकसित किए गए। करीब 120 करोड़ रुपये की लागत से 128 मीटर लंबे एयर कॉनकोर्स का भी विकास किया गया है। स्टेशन के दूसरे चरण में करीब 484 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य स्वीकृत हैं। इसमें दूसरे प्रवेश द्वार, नए भवन और प्लेटफॉर्म संख्या चार से छह तक के विकास की योजना शामिल है। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर भी यात्री सुविधाओं का विस्तार किया गया है। यहां दो लिफ्ट, दो एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म का उच्चीकरण और सरफेसिंग, वाशेबल एप्रन, अतिरिक्त शौचालय और वाटर बूथ, आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली, एलईडी लाइटिंग और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। स्टेशन पर 265 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र और 225 किलोलीटर क्षमता की आरसीसी ओवरहेड पानी की टंकी भी स्थापित की गई है। इसके अलावा विद्युत कोचिंग प्रशिक्षण केंद्र, लोको सबस्टेशन और विद्युत आपूर्ति से जुड़े कार्यों के साथ यार्ड रीमॉडलिंग तथा यूनिवर्सल कोच मेंटेनेंस परियोजना पर भी काम हुआ है। भव्य अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का निर्माण जल्द ही प्रारम्भ होगा,नई ट्रेनों से देश के प्रमुख शहरों से जुड़ा अयोध्या, अयोध्या और आसपास के यात्रियों की सुविधा के लिए कई नई रेल सेवाएं शुरू की गईं। इनमें अयोध्या कैंट–आनंद विहार वंदे भारत एक्सप्रेस (22425/22426), दरभंगा–आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस (15557/15558), गोरखपुर–प्रयागराज वंदे भारत एक्सप्रेस (22549/22550), पटना–गोमतीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस (22345/22346) और अयोध्या कैंट–कानपुर अनवरगंज इंटरसिटी (14221ध14222) शामिल हैं। इसके साथ छपरा–लखनऊ एक्सप्रेस (15053/15054), कामाख्या– भगत की कोठी एक्सप्रेस (15623/15624), प्रयागराज– बस्ती मनवर संगम (14117/14118), रामेश्वरम– फैजाबाद श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस (16793/16794) और मऊ– लखनऊ एक्सप्रेस (15071/15072) जैसी सेवाओं से भी रेल संपर्क का विस्तार हुआ है। विभिन्न ट्रेनों के ठहराव की सुविधा बढ़ने से अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन के अतिरिक्त विकल्प मिले हैं,अमृत भारत योजना में तीन स्टेशनों का विकास, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दर्शननगर, भरतकुंड और रामघाट हाल्ट रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य कराए गए हैं। इन स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार और आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया गया है। इससे अयोध्या के आसपास के क्षेत्रों में रेल यात्रियों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास हुआ है, माल ढुलाई और रेल आधारभूत ढांचे का विस्तार, यात्री सुविधाओं के साथ माल परिवहन से जुड़े ढांचे को भी विकसित किया गया है।

सलारपुर में फ्रेट टर्मिनल का विकास किया गया है। बिल्हरघाट और रौजागांव में गुड्स शेड की सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर रेलवे ओवरब्रिज और अंडरपास से जुड़े कार्यों के माध्यम से रेल और सड़क यातायात को सुगम बनाने की दिशा में कदम उठाए गए हैं।

संपादकीय

नजारा बेशक बड़ा होगा

अमेरिका, चीन और रूस अपने संबंधों में एक संतुलन बना लें, तो यही शेंजेन बैठक की बड़ी सफलता होगी। मतलब यह कि नजारा चाहे जितना बड़ा हो, उससे ठोस कुछ उभरने की गुंजाइश कम ही है। चीन के शेंजेन में गुरुवार को बिग–3 मिलेंगे, तो बेशक दुनिया का ध्यान उस पर टिका होगा। एपेक शिखर सम्मेलन के लिए वहां पहुंचे अमेरिका, चीन, और रूस के राष्ट्रपतियों की वहां प्रस्तावित त्रिपक्षीय बातचीत को चीन ने एक नई जमीन तैयार होने जैसा महत्त्वपूर्ण बताया है। आम भी राय है कि बैठक आधुनिक भू–राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ साबित होने जा रही है। मीडिया के एक हिस्से ने डॉनल्ड ट्रंप, व्लादीमीर पुतिन और शी जिनपिंग की मुलाकात की तुलना 1945 के याल्टा सम्मेलन की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद क्राइमिया (रूस) स्थित याल्टा में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलीन डी. रुजवेल्ट, ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव जोसेफ स्टालिन मिले थे। समझा जाता है कि उन तीनों ने मिलकर युद्ध–उपरांत दुनिया के संचालन का ढांचा तैयार किया था। क्या उससे शेंजेन बैठक की तुलना उचित है? संभवतरू नहीं। इसलिए कि संदर्भ बिल्कुल अलग है। तब दूसरे विश्व युद्ध में साथी रहे उन विजेता देशों के रणनीतिक उद्देश्यों में एक तरह की समानता थी। अतरू एक दूसरे की शक्ति एवं हित को मान्यता देते हुए तालमेल बनाने में वे सफल रहे। जबकि आज अमेरिका केंद्रित विश्व व्यवस्था को खत्म करना रूस और चीन का घोषित मकसद है। रूस ने अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो की शक्ति को सीधी चुनौती दी है, जबकि अमेरिका की सारी हालिया नीतियां चीन का उदय रोकने के लिए बनती रही हैं।

इन टकराते हितों के कारण कई आर्थिक एवं भू–राजनीतिक टकराव खड़े हुए हैं। बैठक से पहले चीन और अमेरिका ने जो कहा, उससे भी उनके परस्पर विरोधी उद्देश्य साफ हुए। ट्रंप परमाणु हथियारों को नियंत्रित करने की वार्ता में रूस के साथ चीन को भी लाना चाहते हैं। चीन इसके लिए तैयार नहीं है। उसकी चिंता बस इतनी है कि प्रतिस्पर्धा खुले टकराव में ना बदले। रूस की फौरी चिंताएं यूक्रेन युद्ध तक सीमित हैं। ऐसे में ये तीनों देश अपनी होड़ को नियंत्रित रखने एवं अपने संबंधों के बीच एक संतुलन बना लें, तो यही बैठक की बड़ी सफलता होगी। यानी नजारा चाहे जितना बड़ा हो, उससे ठोस कुछ उभरने की गुंजाइश कम ही है।

तीसरा और चौथा मोर्चा क्या करेगा?

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एनडीए और श्इंडियाश्य ब्लॉक के मुकाबले एक तीसरा और चौथा मोर्चा भी बना है। यह मोर्चा मुख्य मुकाबले में नहीं है। लेकिन किसी का खेल बिगाड़ने या बनाने में इनका योगदान हो सकता है। मिसाल के तौर पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन यानी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का मोर्चा बहुत पुराने श्भीम और मीमश्य समीकरण पर आधारित है। लेकिन इस समीकरण पर आधारित किसी भी गठबंधन में फायदा सिर्फ श्मीमश्य यानी मुस्लिम पार्टी का होता है। बोलचाल की भाषा में यह भी कहा जाता है कि मुस्लिम और दलित भाईचारे की बात होती है तो एक भाई होता है और दूसरा चारा होता है। मायावती भी कई बार यह प्रयास कर चुकी हैं। पिछले ही चुनाव में उन्होंने एक सौ मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन एक भी नहीं जीता। सोचें, उनकी पार्टी को करीब 10 फीसदी वोट मिला लेकिन एक भी उम्मीदवार नहीं जीता! अगर उनके मुस्लिम उम्मीदवारों को मुसलमान वोट दे देते तो दलित वोट, खास कर जाटव वोट के सहारे उनकी पार्टी अच्छी खासी सीटें जीत सकती थी। लेकिन चूंकि वे मुस्लिम नहीं हैं। इसलिए श्भीम और मीमश्य समीकरण का कोई लाभ उनको नहीं हुआ। ओवैसी को इसका लाभ हो सकता है क्योंकि वे इस खेल को कई बार प्रभावी तरीके से खेल चुके हैं। महाराष्ट्र में 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रकाश अंबेडकर की पार्टी से तालमेल करके लड़े थे तो औरंगाबाद की लोकसभा सीट जीत ली थी और 2020 में बिहार में बसपा और उपेंद्र कुशवाहा के साथ मिल कर लड़े तो विधानसभा की पांच सीट जीत गए थे। उन्होंने उपेंद्र कुशवाहा को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बनाया था। लेकिन कुशवाहा की पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। अगर इस बार देखें तो 2019 के महाराष्ट्र चुनाव या 2020 के बिहार चुनाव के मुकाबले मुस्लिम आवाम और खास कर मुस्लिम युवा ज्यादा बेचौन हैं। वे अपना नेतृत्व खोज रहे हैं। तभी मुस्लिम बहुलता वाली ऐसी सीटों पर वे ओवैसी का साथ दे सकते हैं, जहां वोट बंटने की स्थिति में भी भाजपा के जीतने का खतरा नहीं होगा। मुस्लिम मतदाताओं का यह रुख सीधे तौर पर सपा को नुकसान पहुंचाएगा। तभी अखिलेश यादव इस गठबंधन से परेशान हैं। वे बार बार कह रहे हैं कि ओवैसी का श्ओटीपी कहीं और से आता हैश्य और वे शकिसी और के माइक का लाउडस्पीकर बन गए हैंश्य।

असल में अखिलेश यह बताने का प्रयास कर रहे हैं कि ओवैसी की पार्टी भाजपा की बी टीम है। ओवैसी को लेकर पहले से यह बात कही जाती है। लेकिन उनके किसी मुस्लिम समर्थक को इसकी परवाह नहीं है क्योंकि उसको पता है कि ओवैसी अंततरू मुस्लिम हित के लिए काम करने वाले नेता हैं। उनको लगता है कि अगर ओवैसी भाजपा के साथ किसी टैक्टिकल अलायंस में हैं तो यह भी मुस्लिम हित के लिए ही उन्होंने किया होगा। याद करें कैसे इस साल पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान आम जनता उन्नयन पार्टी के नेता हुमायूं कबीर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे कह रहे थे कि उन्होंने भाजपा के साथ अंदरखाने सेटिंग कर ली है। फिर भी वे रेजिनगर और नौदा दोनों सीटों पर भारी अंतर से चुनाव जीते। इसलिए उत्तर प्रदेश में ओवैसी को भाजपा की बी टीम बताने का अखिलेश यादव का दांव कारगर नहीं होने वाला है। अखिलेश की चिंता इस बात को लेकर है कि वे ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारने वाले हैं। उनको लग रहा है कि इससे ध्रुवीकरण हो सकता है। ओवैसी को यह चिंता नहीं है। वे ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवार देंगे और ज्यादा आग उगलने वाले भाषण देंगे। मुसलमानों को पता है कि ओवैसी की पार्टी जीतेगी तो वह जरुरत पड़ने पर सपा और कांग्रेस का ही साथ देगी। इसलिए मुस्लिम बहुलता वाली सीटों पर ओवैसी सपा की संभावना को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर दलित वोट की बात करें तो आज भी उसका सबसे बड़ा हिस्सा मायावती की पार्टी बसपा के साथ जाएगा। उत्तर प्रदेश में 21 फीसदी के करीब दलित आबादी है, जिसमें 11 फीसदी के करीब जाटव हैं। ये मतदाता भावनात्मक रूप से मायावती और उनकी पार्टी के करीब हैं। बहुत खराब स्थिति में भी 2022 में बसपा को 12 फीसदी वोट मिला था। हालांकि सीट सिर्फ एक मिल पाई थी। ऐसे ही 2024 में जब सर्वाधिक दो ध्रुवीय मुकाबला था और बसपा लड़ाई में नहीं थी तब भी उसे 9.39 फीसदी वोट मिला था। ध्यान रहे 2022 के चुनाव में चंद्रशेखर की पार्टी को 0.58 फीसदी वोट मिला था। वे खुद गोरखपुर सीट पर योगी आदित्यनाथ के खिलाफ लड़े थे और चौथे स्थान पर रहे थे। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में चंद्रशेखर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से चुनाव जीत गए। उसके बाद से उनकी तरफ युवाओं का एक आकर्षण बना है। फिर भी जाटव और रविदास वोट मोटे तौर पर बसपा के साथ रहेगा। इस वजह से कह सकते हैं कि बसपा तीसरी ताकत बनी रह सकती हैं। गैर जाटव दलित वोट में पिछली बार खटीक और पासी वोट का एक हिस्सा सपा के साथ गया था।

एआई के भरोसे बैठी दुनिया के लिए एआईही बना सबसे बड़ा खतरा



नीरज

दुनिया जिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भविष्य की सबसे बड़ी ताकत मानकर अपनी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासन की बुनियाद बना रही है, वही तकनीक अब एक नई वैश्विक चुनौती के रूप में सामने आ रही है। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि एआईइंसानों की जगह कितने काम कर सकता है, बल्कि यह भी है कि क्या दुनिया अपनी पूरी व्यवस्था कुछ गिनी–चुनी तकनीकी कंपनियों, स्वचालित प्रणालियों और एल्गोरिदम के भरोसे छोड़कर एक बड़े जोखिम की ओर बढ़ रही है? देखा जाये तो अमेरिका में एक ही सप्ताह के भीतर विमानन, बैंकिंग, संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं में आई रुकावटों ने डिजिटल दुनिया की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक की सेवाएं प्रभावित हुईं, जेपी मॉर्गन चेज के लेनदेन में बाधा आई, एप्पल की सेवाओं में रुकावट हुई और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी का गोपनीय नेटवर्क भी ठप पड़ गया। वहीं, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के नेटवर्क में आई समस्या के कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं और करीब 12,462 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इन घटनाओं के पीछे तकनीकी गड़बड़ियों के अलग–अलग कारण सामने आए हैं। कहीं पुराने सॉफ्टवेयर की खामियां थीं, तो कहीं नेटवर्क उपकरणों में आई खराबी और नए अपडेट के कारण सेवाएं बाधित हुईं। अमेरिकी कांग्रेस के अधिकारियों को दी गई जानकारी में यह भी बताया गया कि एआई मॉडल ने कई सुरक्षा खामियों की पहचान की थी। उन्हें जल्द ठीक करने के लिए बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर में बदलाव (पैच) किए गए, जिनसे कुछ नई तकनीकी समस्याएं पैदा हो गईं। यानी साइबर हमलों से बचाने में मदद करने वाला भी तब परेशानी का कारण बन सकता है, जब उसकी पहचान की गई खामियों को जल्दबाजी में ठीक करने की कोशिश की जाए। यहां सबसे महत्वपूर्ण पहलू तकनीक पर बढ़ती निर्भरता का है। आज बैंकिंग से लेकर विमानन, अस्पतालों, सरकारी संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सब कुछ डिजिटल नेटवर्क से जुड़ा है। ऐसे में किसी एक महत्वपूर्ण नेटवर्क या सॉफ्टवेयर की विफलता का असर हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों तक पहुंच सकता है। देखा जाये तो स्वचालन ने काम की गति बढ़ाई है, लेकिन उसी अनुपात में एक छोटी तकनीकी गलती के बड़े स्तर पर फैलने का खतरा भी बढ़ा दिया है। साथ ही इस बहस का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मानव अस्तित्व और उसकी रचनात्मक क्षमता से जुड़ा है। वर्ष 2026 के लिए कैम्ब्रिज डिक्शनरी द्वारा शब्द को चुनना भी एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच इंसान की पहचान और महत्व को रेखांकित करता है। आज मशीनें लेखन, संगीत, फिल्म निर्माण और दूसरे रचनात्मक कार्यों में इंसानों की नकल करने लगी हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मशीनें इंसानों की तरह रचनात्मक काम करने लगेंगी, तब मानवीय प्रतिभा, मौलिकता और मेहनत का महत्व और उसका आर्थिक मूल्य कैसे बरकरार रहेगा? देखा जाये तो एआई केवल नौकरियों के स्वरूप को नहीं बदल रहा, बल्कि वह उस व्यवस्था को भी चुनौती दे रहा है जिसमें इंसान की कल्पनाशीलता, अनुभव, भावनाएं और मौलिक विचार आर्थिक गतिविधियों का आधार रहे हैं। मशीन से तैयार सामग्री की बढ़ती उपलब्धता के बीच वास्तविक मानवीय रचनात्मकता को एक अलग पहचान देने की मांग भी सामने आ रही है। इसलिए ।प् को बिना सार्वजनिक निगरानी और सुरक्षा प्रावधानों के पूरी छूट नहीं दी जा सकती। दूसरी ओर, भारत के लिए इन दोनों घटनाक्रमों का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यूपीआई, डिजिटल बैंकिंग, आधार आधारित सेवाएं, सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म, रेलवे, विमानन और स्वास्थ्य सेवाएं बड़े पैमाने पर तकनीकी नेटवर्क पर निर्भर हैं। भारत की डिजिटल शक्ति जितनी तेजी से बढ़ेगी, उसकी तकनीकी सुरक्षा और परिचालन क्षमता का महत्व भी उतना ही बढ़ेगा। भारत को केवल विदेशी एआई मॉडल और वैश्विक क्लाउड कंपनियों का उपभोक्ता बनकर नहीं रहना चाहिए। अपने डेटा सेंटर, स्वदेशी एआई मॉडल, साइबर सुरक्षा अनुसंधान, चिप निर्माण और महत्वपूर्ण डिजिटल ढांचे में अपनी क्षमता विकसित करना राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। अस्पतालों, बैंकिंग, रक्षा और आपातकालीन सेवाओं के लिए ऐसे वैकल्पिक नेटवर्क तैयार होने चाहिए, जो किसी वैश्विक कंपनी की सेवा बाधित होने पर भी काम करते रहें। जरूरी डिजिटल सेवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर संचालित बैकअप व्यवस्था और नियमित आपदा परीक्षण अनिवार्य होने चाहिए। साथ ही, एआई से पैदा होने वाले जोखिमों का स्वतंत्र ऑडिट, सॉफ्टवेयर अपडेट की चरणबद्ध प्रक्रिया और महत्वपूर्ण प्रणालियों में मानवीय निगरानी जरूरी है। भारत को अपनी शिक्षा, कला, साहित्य, पत्रकारिता और रचनात्मक उद्योगों में मानवीय प्रतिभा की भूमिका भी सुरक्षित रखनी होगी। बहरहाल, तकनीकी शक्ति का अगला दौर सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि किस देश के पास सबसे तेज एआई है। असली मुकाबला इस बात का होगा कि कौन–सा देश ।प् को अपनी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज के अनुकूल नियंत्रित कर सकता है, तकनीकी संकट के दौरान अपनी व्यवस्था चालू रख सकता है और मशीनों की बढ़ती क्षमता के बीच इंसान की उपयोगिता और रचनात्मकता को बचा सकता है। भारत के सामने यही सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती और अवसर है।

भारत जापान की नई रणनीतिक धुरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

ललित

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चौथी भारत–जापान 22 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व–व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत–जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति–संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम–आधारित हिंद–प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना–साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा–तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति–केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद–प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक–दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग–अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है। 19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति–निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 22 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है। प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है। विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत–जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक–दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत–जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया–जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए। भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है।



यूपी में हैदराबादी चचा ओवैसी और आजम खान की सियासत में किसके साथ जाएंगे मुसलमान



नीरज

प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास साप्ताहिक कार्यक्रम चाय पर समीक्षा के लिए हमें पाठकों और दर्शकों से जो सवाल मिले उनका लब्बोलुआब यह था कि आजम खान के जेल से बाहर आने और असद्दुदीन ओवैसी के यूपी के चुनावी मैदान में उतरने से प्रदेश की मुस्लिम सियासत पर क्या असर आयेगा। तो आइये शुरू करते हैं विश्लेषण और समझते हैं कि यूपी के मुस्लिम वोटों पर किसका चलेगा सिक्का देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले एक ऐसा राजनीतिक मुकाबला आकार लेने लगा है, जिसका असर सिर्फ मुस्लिम वोटों तक सीमित नहीं रहने वाला, बल्कि सत्ता के पूरे चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है। एक तरफ असदुद्दीन ओवैसी हैं, जो मुस्लिम राजनीति को समाजवादी पार्टी के प्रभाव से बाहर निकालकर एक स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनाने की कोशिश में जुटे हैं। दूसरी तरफ आजम खान हैं, जिनकी राजनीति की जड़ें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बहुल इलाकों में गहरी हैं और जिनकी पहचान लंबे समय तक समाजवादी पार्टी के सबसे प्रभावशाली मुस्लिम चेहरे के रूप में रही है। अब आजम खान जेल से बाहर आ चुके हैं और ओवैसी ने चंद्रशेखर आजाद के साथ हाथ मिलाकर सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बना लिया है। ऐसे में यूपी की राजनीति में सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि मुस्लिम वोट किसे मिलेंगे, बल्कि असली सवाल यह है कि मुस्लिम मतदाताओं के राजनीतिक नेतृत्व की कमान किसके हाथ में जाएगी? हम आपको बता दें कि 18 नवंबर को गाजियाबाद की डासना जेल से आजम खान की रिहाई ने इस मुकाबले को एक नया मोड़ दे दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत मिलने के बाद आजम बाहर आए हैं। हालांकि, उनके खिलाफ कानूनी मामले अभी समाप्त नहीं हुए हैं और इस मामले में अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होनी है। लेकिन राजनीतिक रूप से उनकी वापसी का समय बेहद महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो रही हैं और समाजवादी पार्टी के सामने अपना मुस्लिम–पिछड़ा–दलित यानी च्व। समीकरण मजबूत बनाए रखने की चुनौती है। ऐसे वक्त में आजम खान की वापसी अखिलेश यादव के लिए किसी राजनीतिक संजीवनी से कम नहीं मानी जा रही। देखा जाये तो आजम खान केवल रामपुर के नेता नहीं हैं। उनकी राजनीतिक हैसियत का विस्तार रामपुर से निकलकर मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, बिजनौर और बरेली तक दिखाई देता रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रुहेलखंड की राजनीति में उनका अपना प्रभाव है। वह ऐसे नेता हैं जिनका मुस्लिम मतदाताओं के एक वर्ग के साथ भावनात्मक जुड़ाव रहा है। उनकी राजनीतिक भाषा, उनका संघर्ष और लंबे समय तक जेल में रहने का घटनाक्रम उन्हें मुस्लिम राजनीति में एक अलग पहचान देता है। समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत यह रही है कि उसने उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं के बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़े रखा। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी मुस्लिम मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा भाजपा को रोकने की रणनीति के तहत सपा के पक्ष में लामबंद हुआ था। लेकिन इस समर्थन के साथ एक असंतोष भी मौजूद रहा है। ओवैसी इसी असंतोष को राजनीतिक अवसर में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यहीं आजम खान की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जेल से बाहर आने के बाद वह मुस्लिम मतदाताओं के बीच यह संदेश देने की क्षमता रखते हैं कि समाजवादी पार्टी के साथ उनका राजनीतिक और संगठनात्मक रिश्ता अभी भी कायम है। उनकी सक्रियता सपा के पुराने समर्थकों को फिर से एकजुट कर सकती है। खासकर उन सीटों पर, जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या निर्णायक है और जहां कुछ हजार वोटों का अंतर चुनावी नतीजा बदल सकता है। वैसे आजम खान का चुनाव लड़ना फिलहाल कानूनी अड़चनों के कारण मुश्किल है, लेकिन चुनाव लड़ना और चुनाव प्रभावित करना दो अलग–अलग बातें हैं। वह प्रचार, उम्मीदवारों के चयन और स्थानीय नेताओं के बीच तालमेल के जरिए सपा के लिए बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। दूसरी तरफ असदुद्दीन ओवैसी की रणनीति अब पहले से कहीं अधिक आक्रामक दिखाई दे रही है। ओवैसी लंबे समय से यह सवाल उठाते रहे हैं कि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाता बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी को वोट देते हैं, लेकिन सत्ता और संगठन में उन्हें उस अनुपात में राजनीतिक हिस्सेदारी क्यों नहीं मिलती? उनकी राजनीति का केंद्रीय तर्क यही है कि मुस्लिम समुदाय को केवल किसी दूसरे दल की जीत सुनिश्चित करने वाले मतदाता समूह के रूप में नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे अपना स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व खड़ा करना चाहिए। ओवैसी ने इस बार अपनी रणनीति को एक नए सामाजिक समीकरण के साथ आगे बढ़ाया है। 12 नवंबर 2026 को उन्होंने चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाने की घोषणा की। इस गठबंधन में चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया गया है और दोनों दलों ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना सामने रखी है। यह गठबंधन सिर्फ मुस्लिम वोटों पर दावा करने की कोशिश नहीं है, बल्कि दलित और मुस्लिम मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने का प्रयास भी है। यानी ओवैसी इस बार केवल मुस्लिम मतदाताओं से समर्थन मांगने नहीं आए हैं। वह चंद्रशेखर आजाद के जरिए दलित राजनीति में भी अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका निशाना सीधे अखिलेश यादव की च्व। राजनीति है। अखिलेश का च्व। फॉर्मूला पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एक साथ जोड़कर भाजपा के खिलाफ बड़ा सामाजिक गठबंधन तैयार करने पर आधारित है। ओवैसी और चंद्रशेखर का सामाजिक परिवर्तन मोर्चा इसी समीकरण को चुनौती देने के लिए मैदान में उतरा है। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब 19 प्रतिशत मानी जाती है। यह कोई ऐसा वोट बैंक नहीं है जिसका प्रभाव केवल कुछ चुनिंदा जिलों तक सीमित हो। राज्य की लगभग 143 विधानसभा सीटों पर मुस्लिम आबादी का चुनावी महत्व काफी अधिक है। इनमें करीब 70 सीटें ऐसी बताई जाती हैं जहां मुस्लिम आबादी 20 से 30 प्रतिशत के बीच है, जबकि 73 सीटों पर यह अनुपात 30 प्रतिशत से अधिक है। रामपुर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, सहारनपुर, बिजनौर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई अन्य इलाकों में मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इन सीटों पर मुस्लिम वोटों का बंटवारा सीधे मुकाबले का परिणाम बदल सकता है। 2022 के विधानसभा चुनाव में 59 मुस्लिम बहुल सीटों के विश्लेषण के मुताबिक समाजवादी पार्टी ने 34 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को 22 सीटों पर सफलता मिली थी। ऐसे में मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन में मामूली बदलाव भी कई सीटों पर बड़ा उलटफेर कर सकता है।

जौनपुर में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल, हवाई हमले से बचाव और राहत कार्यों का किया गया अभ्यास

सायरन बजते ही दो मिनट के लिए गुल हुई बिजली, आग बुझाने से लेकर घायलों को सुरक्षित निकालने तक का हुआ प्रदर्शन



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित पुलिस लाइन में रविवार शाम नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें हवाई हमले जैसी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने, नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने तथा राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल की शुरुआत शाम छह बजे सामान्य जनजीवन के प्रदर्शन से हुई। शाम 6रू05 बजे हवाई हमले की सूचना पर रेड अलर्ट जारी किया गया। दो मिनट तक सायरन बजाया गया और विद्युत आपूर्ति बंद कर ब्लैकआउट की स्थिति बनाई गई। इस दौरान नागरिकों को सुरक्षित स्थानों और बंकरों तक पहुंचाने का अभ्यास कराया गया। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने पुलिस के सहयोग से दुश्मन के ड्रोन को निष्प्रभावी करने की कार्रवाई का भी प्रदर्शन किया। शाम 6:10 बजे हवाई हमले की समाप्ति का संकेत देते हुए ग्रीन सिग्नल जारी किया गया। इसके बाद घटना नियंत्रण अधिकारी ने स्थिति का आकलन कर नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। ड्रिल के अगले चरण में आग लगने की घटनाओं से निपटने का अभ्यास किया गया। इसमें सिलेंडर, पेट्रोल सहित विभिन्न प्रकार की आग बुझाने, आग में फंसे लोगों को निकालने और फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया गया। स्वयंसेवकों ने घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने, पट्टी बांधने, टूटी हड्डियों पर स्प्लिंट लगाने और सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की। इसके अलावा कार में फंसे व्यक्ति को निकालने और होटल की दीवार काटकर घायल को बाहर निकालने का अभ्यास किया गया।

शाम 6:30 बजे एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमों के घटनास्थल पर पहुंचने और राहत–बचाव कार्यों का नियंत्रण संभालने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट एवं उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा महिपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी, क्षेत्राधिकारी यातायात सुनील चंद तिवारी, चीफ वार्डन नागरिक सुरक्षा डॉ. मनोज वत्स तथा पुलिस लाइन के आरआई डी.डी. दीक्षित मौजूद रहे। नागरिक सुरक्षा टीम के सदस्य दीपक श्रीवास्तव, नेहा जैन, एस.एन. सिंह, डॉ. अंजना सिंह, उर्वशी सिंह, आशीष श्रीवास्तव, रियाज उल हक, आबिश इमाम, सलमान शेख सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एयरटेल भारत का सबसे मूल्यवान ब्रांड है- कैंटार ब्रांडज इंडिया 2026

आर एल पाण्डेय

लखनऊ । डेटा, एनालिटिक्स और एआई के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी श्कैंटारश ने एयरटेल को भारत का सबसे मूल्यवान ब्रांड माना है। 2014 में श्कैंटार टॉप 100 मोस्ट वैल्युएबल इंडियन ब्रांड्सश रैंकिंग की शुरुआत के बाद से, यह पहली बार है जब किसी टेलीकॉम कंपनी ने इसमें नंबर 1 स्थान हासिल किया है। पिछले एक साल में इस टेलीकॉम कंपनी की ब्रांड वैल्यू में 5: की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 43. 2 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई है। 2020 के बाद से एयरटेल की ब्रांड वैल्यू में 210: की बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण ब्रांड इक्विटी में लगातार निवेश करना और कंपनी का केवल कनेक्टिविटी प्रदाता से बदलकर एक व्यापक डिजिटल इकोसिस्टम के रूप में विकसित होना है। श्एयरटेल थैंक्सश और श्एयरटेल ब्लैकश जैसी एकीकृत पेशकशों के जरिए ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाया गया है। वहीं, 5जी प्लस और एआई–आधारित श्सेफ पेश फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम जैसे नवाचारों ने ग्राहकों का भरोसा और मजबूत किया है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए, भारती एयरटेल के मुंबई सर्कल के सीईओ, अमित रवींद्र देशपांडे ने कहारू ष्धन्यवाद, कैंटार । यह पुरस्कार मिलना सम्मान की बात है, और मैं



इसे एयरटेल के हर कर्मचारी और हम पर भरोसा करने वाले हर ग्राहक की ओर से स्वीकार करता हूँ। कुल 460.3 अरब अमेरिकी डॉलर की कीमत वाले, भारत के श्कैंटार ब्रांडज टॉप 100 मोस्ट वैल्युएबल ब्रांड्सश आर्थिक विकास के एक मजबूत इंजन बने हुए हैं। इनकी कुल वैल्यू देश की जीडीपी के 11: के बराबर है। कुल मिलाकर, इस रैंकिंग में शामिल ब्रांड्स की वैल्यू में पिछले साल के मुकाबले 12: की गिरावट आई है, क्योंकि ये ब्रांड्स एआई–आधारित बदलाव की ओर बढ़ने के दबाव का सामना कर रहे हैं। दुनिया के अन्य हिस्सों में, एआई–आधारित टेक्नोलॉजी और मीडिया कैटेगरी ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं, जबकि भारत में इनका प्रभाव अभी कम है। इसके बावजूद, भारत के सबसे मजबूत ब्रांड्स लगातार बेहतरीन रिटर्न दे रहे हैं। श्कैंटार ब्रांडज इंडियाश पोर्टफोलियो ने सेंसेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, और 2020 के बाद से टॉप 75 ब्रांड्स की वैल्यू में 100: की बढ़ोतरी हुई है, जो जीडीपी की विकास दर से कहीं अधिक है।

10 दिसंबर से बलरामपुर रेलवे स्टेशन पर शुरू होगी पार्सल सेवा, व्यापारियों और आम नागरिकों को मिलेगी बड़ी राहत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोंडा, नवंबर। बलरामपुर जनपद के व्यापारियों एवं आम नागरिकों के लिए राहत भरी खबर है। बलरामपुर रेलवे स्टेशन पर लंबे समय से बंद पड़े पार्सल घर को दोबारा संचालित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि आगामी 10 दिसंबर से पार्सल सेवा शुरू होने की संभावना है। इससे व्यापारियों समेत समाज के सभी वर्गों को सामान के आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष एवं भाजपा नेता संजय शर्मा के अनुसार, महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक के समक्ष बलरामपुर जनपद के व्यापारियों और नागरिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया था। उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि कोरोना काल से पार्सल घर बंद होने के कारण क्षेत्र के व्यापारियों एवं आम नागरिकों को अपने सामान की बुकिंग और परिवहन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्सल कार्यालय संचालित न होने से रेलवे को भी राजस्व की हानि हो रही है। उन्होंने रेलवे अधिकारियों से जनहित को ध्यान में रखते हुए बलरामपुर रेलवे स्टेशन पर पार्सल घर को पुनः संचालित कराने की मांग की थी। इस पर वरिष्ठ रेल अधिकारियों द्वारा जल्द ही पार्सल सेवा शुरू कराने का आश्वासन दिया गया है। शर्मा ने बताया कि पार्सल सेवा की शुरुआत 10 दिसंबर से सुशासन एक्सप्रेस में सामान की लोडिंग एवं अनलोडिंग के माध्यम से किए जाने की संभावना है। पार्सल घर शुरू होने से बलरामपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के व्यापारियों को अपने माल के परिवहन में सुविधा मिलेगी तथा आम नागरिकों को भी इसका लाभ प्राप्त होगा। इस पहल को क्षेत्र के व्यापारिक विकास और जनसुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जौनपुर में तीन नए सीओ की तैनाती, तीन अधिकारियों का गैर जनपद तबादला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल करते हुए क्षेत्राधिकारियों (सीओ) के तबादले किए हैं। इस क्रम में जौनपुर में तैनात तीन क्षेत्राधिकारियों का गैर जनपद स्थानांतरण किया गया है, जबकि तीन नए अधिकारियों को जिले में तैनाती दी गई है। तबादला सूची के अनुसार नितिन कुमार को बरेली से जौनपुर, भूषण वर्मा को मथुरा से जौनपुर तथा हर्ष पांडेय को सोनभद्र से जौनपुर भेजा गया है। वहीं, जौनपुर में तैनात क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा को सहारनपुर, प्रतिमा वर्मा को मुरादाबाद तथा गिरेन्द्र सिंह को गोरखपुर स्थानांतरित किया गया है। शासन की ओर से किए गए इस फेरबदल के बाद जिले में पुलिस विभाग की क्षेत्रीय व्यवस्था में बदलाव होगा। नए अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्हें विभिन्न सर्किलों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

मनकापुर रेलवे स्टेशन पर कर्मचारी परिवाद निस्तारण शिविर आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)।पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान और उनके हितों के संरक्षण के लिए मनकापुर रेलवे स्टेशन पर कर्मचारी परिवाद निस्तारण शिविर आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के सामने रखीं।शिविर में कुल 33 कर्मचारियों ने सहभागिता की और विभिन्न मामलों से संबंधित सात परिवाद प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए छह का मौके पर ही निस्तारण कर दिया, जबकि शेष एक परिवाद के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समयबद्ध समाधान करना और रेलवे प्रशासन तथा कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना रहा। इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों को अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिला।इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी रवि कुमार गौतम, मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक मनीष कुमार, कर्मचारी कल्याण निरीक्षक सनी प्रकाश सिंह तथा बिल लिपिक अक्षत सक्सेना और शुभम उपस्थित रहे। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने कर्मचारियों के कल्याण और उनकी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए इस तरह के प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है।



चित्रगुप्त पूजन एवं दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा सभा पूर्वी उत्तर प्रदेश की गोमती नगर इकाई का चित्रगुप्त पूजन एवं दीपावली मिलन समारोह कबीर पीस मिशन, विपुल खंड, गोमतीनगर,लखनऊ में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम चित्रगुप्त पूजन संगीता श्रीवास्तव जी द्वारा किया गय। दीप प्रज्ज्वलन महासभा के प्रदेश अध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर ज्योत्सना श्रीवास्तव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रदेश पदाधिकारी अध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ ज्योत्सना श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री ज्ञान प्रकाश अस्थाना प्रमोद निगम एवं जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव का सम्मान स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण पहनाकर इकाई के अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महामंत्री एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा किया गया। इसके उपरांत गोमती नगर इकाई के अध्यक्ष, महामंत्री वरिष्ठ उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण करके प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारी द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथियों डॉक्टर ए के श्रीवास्तव निदेशक डिवाइन हॉस्पिटल, डॉक्टर श्वेता श्रीवास्तव, दिलीप श्रीवास्तव, दिनेश खरे, रवि श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, दिलीप यशवर्धन ,एमपी श्रीवास्तव का सम्मान स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण करके प्रदेश पदाधिकारी द्वारा किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका आभा श्रीवास्तव, जूही श्रीवास्तव, बबीता श्रीवास्तव ने अपने गायन से सबका मन मोह लिया। रागिनी श्रीवास्तव के ग्रुप द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए सुप्रसिद्ध कवि अजय वर्मा की काव्य पाठ एवं संगीता श्रीवास्तव के वादन के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाप्त हुए । अमोलिका श्रीवास्तव एवं रितेश श्रीवास्तव को मेधावी छात्र के रूप में सम्मानित किया गया सामाजिक कार्य हेतु डॉक्टर पंकज श्रीवास्तव, राजीव सक्सेना को सम्मानित किया गया अंत में महामंत्री प्रवीण श्रीवास्तव ने समस्त आगंतुकगण,विशिष्ट जनों, मेधावी छात्रों, सांस्कृतिक कर्मियों एवं मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

वाराणसी में प्रतिबंधित प्रजातियों के 650 तोतों के साथ तस्करी गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने संरक्षित वन्यजीवों की अवैध तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाराणसी में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से प्रतिबंधित प्रजातियों के 650 तोते, दो मोबाइल फोन और एक बोलेरो पिकअप बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपित बिहार के पटना जिले के रहने वाले हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह उत्तर प्रदेश के अलग–अलग इलाकों से संरक्षित पक्षियों को पकड़कर बिहार और पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में ऊंचे दामों पर बेचता था।एसटीएफ के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पटना के आनन्दगंज थाना क्षेत्र की अरफाबाद कॉलोनी निवासी मोहम्मद समीम, मोहम्मद नसीद और गुलजारबाग क्षेत्र के सिकटा टोली निवासी आफताब के रूप में हुई है। तीनों को 19 नवंबर 2026 को वाराणसी के आदमपुर थाना क्षेत्र स्थित गोलगड्डा चौराहे से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से बरामद पक्षियों में रोज रिंग पैरट और एलेक्जेंड्राइन पैराकीट प्रजाति के तोते शामिल हैं, जिन्हें प्रतिबंधित प्रजातियों में रखा गया है।एसटीएफ को पिछले कुछ दिनों से संरक्षित वन्यजीवों की अवैध तस्करी में सक्रिय गिरोह के बारे में सूचनाएं मिल रही थीं। इस पर अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में एसटीएफ की टीम को सूचना जुटाने और कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। 19 नवंबर को एसटीएफ की टीम वाराणसी में भ्रमणशील थी, तभी सूचना मिली कि तस्करी गिरोह के तीन सदस्य प्रतिबंधित तोतों को लेकर बिहार जाने की तैयारी में हैं।एसटीएफ टीम ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रभागीय वनाधिकारी और वन विभाग की वाराणसी रेंज के अधिकारियों से साझा किया। इसके बाद संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों को गोलगड्डा चौराहे के पास पकड़ लिया गया।

हरे चारे की कमी दूर करने के लिए नैपियर घास की खेती पर मिलेगा 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में पशुओं के लिए हरे और पौष्टिक चारे की उपलब्धता बढ़ाने तथा पशुपालन को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से सरकार ने 'चारा नीति 2025–26' के तहत नैपियर घास उत्पादन योजना संचालित की है। योजना के माध्यम से पशुपालकों, प्रगतिशील किसानों और गो–आश्रय स्थलों को नैपियर घास की उन्नत जड़ें और गांठें निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही खेत की तैयारी और खाद आदि की व्यवस्था के लिए 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से अनुदान भी दिया जाएगा।पशुपालन विभाग के अनुसार, प्रदेश के जनपदों में हरे चारे की उपलब्धता में करीब 44 प्रतिशत और सूखे चारे में 21 प्रतिशत की कमी है। इस अंतर को दूर करने के लिए बहुवर्षीय नैपियर घास की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को पहले वर्ष रोपण के लिए उन्नत किस्म की नैपियर घास की जड़ें और गांठें पूरी तरह निःशुल्क दी जाएंगी। किसानों और पशुपालकों को खेती की तैयारी, जड़ों के रोपण और खाद आदि के प्रबंधन के लिए प्रति हेक्टेयर 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी।इसके अलावा गोवंश आश्रय स्थलों से जुड़ी चारागाह भूमि पर मौसमी हरा चारा उगाने के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों को 22 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से सहायता दी जाएगी। इस भूमि पर जायद, खरीफ और रबी मौसम में हरे चारे की बुवाई की जा सकेगी। अनुदान की राशि पारदर्शी व्यवस्था के तहत लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दो किस्तों में भेजी जाएगी।योजना का लाभ जनपद में संचालित पंजीकृत गोशालाओं, गो–आश्रय स्थलों, इच्छुक पशुपालकों और प्रगतिशील किसानों को मिल सकेगा। इसके लिए आवेदक के पास कम से कम 0.2 हेक्टेयर सिंचित भूमि होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति, भूमि के स्वामित्व से संबंधित अद्यतन खसरा–खतौनी और बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति जमा करनी होगी। बैंक खाते का नंबर और आईएफएससी कोड स्पष्ट रूप से अंकित होना जरूरी है।पशुपालन विभाग ने किसानों और पशुपालकों से अपील की है कि वर्षभर पौष्टिक हरे चारे की उपलब्धता बनाए रखने के लिए बहुवर्षीय नैपियर घास की खेती अपनाएं और योजना का लाभ उठाएं। योजना की विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए इच्छुक लाभार्थी अपने निकटतम राजकीय पशु चिकित्सालय अथवा जिला मुख्यालय स्थित मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें अधिकारी, अनावश्यक शटडाउन और ट्रिपिंग पर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा सख्त

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने अधिकारियों को प्रदेश के सभी गांवों और शहरों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बिजली की उपलब्धता और बजट की कोई कमी नहीं है, ऐसे में उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना चाहिए। अनावश्यक शटडाउन, बार–बार बिजली कटौती और ट्रिपिंग की समस्या पर तत्काल रोक लगाई जाए। फील्ड स्तर के अधिकारी और कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ काम करते हुए उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराएं।ऊर्जा मंत्री ने शुक्रवार को शक्ति भवन में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान बिजली आपूर्ति, अनुरक्षण कार्यों, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, विधायक निधि से संचालित परियोजनाओं और उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न जनपदों में बिजली व्यवस्था की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट किया कि आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।विधायक निधि से स्वीकृत विद्युत कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए ए.के. शर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था मजबूत करने के लिए विधायक निधि से धनराशि उपलब्ध कराई है,।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह पर बीबीएयू का गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय बना ज्ञान

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह (14 से 20 नवंबर) के अवसर पर बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) का गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय विद्यार्थियों और शोधार्थियों के बीच अध्ययन, शोध और ज्ञान की समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में पुस्तकालय पारंपरिक पुस्तकों के साथ आधुनिक डिजिटल संसाधनों और तकनीकी सुविधाओं का बेहतर समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को नई दिशा दे रहा है। यहां सुबह आठ बजे से रात 11 बजे तक अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है, जिससे विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन और शोध के लिए अनुकूल वातावरण मिल रहा है।जनवरी 1998 में स्थापित गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय आज विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। लगभग 7,917 वर्गमीटर क्षेत्रफल में फैले इस पुस्तकालय ने समय के साथ अपने संसाधनों, अध्ययन सुविधाओं और तकनीकी सेवाओं का व्यापक विस्तार किया है। यहां एक साथ लगभग 400 विद्यार्थियों के बैठकर अध्ययन करने की व्यवस्था है। पुस्तकालय में प्रतिदिन औसतन 336 विद्यार्थी पहुंचते हैं, जबकि परीक्षा के दौरान यह संख्या बढ़कर एक हजार से 1,200 तक हो जाती है। पुस्तकालय के अभिलेखों के अनुसार, एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच कुल 86,487 विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस अवधि में 3,41,644 पुस्तकों और संदर्भ सामग्री के उपयोग का रिकॉर्ड भी दर्ज किया गया।पुस्तकालय का संग्रह विद्यार्थियों और शोधार्थियों की अलग–अलग शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। यहां 73 हजार से अधिक पुस्तकें और 13,226 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। विभिन्न विषयों की पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों और शोध सामग्री के माध्यम से विद्यार्थी अपने विषयों का गहन अध्ययन करने के साथ नवीनतम शोध और ज्ञान से भी जुड़ रहे हैं।



तकनीक और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यूपी पुलिस ने तीन बड़ी संस्थाओं से किया समझौता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने तकनीकी क्षमता बढ़ाने, साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और पुलिस की कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत पुलिस मुख्यालय में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन और प्रोटीन ईगव टेक्नोलॉजीज के साथ तीन अलग–अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन समझौतों का उद्देश्य पुलिस की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ ही नागरिकों को तेज, सुरक्षित और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है।आईआईटी कानपुर के साथ हुए समझौते के तहत साइबर सुरक्षा, साइबर फॉरेंसिक, कृत्रिम मेधा और आधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे साइबर अपराधों की जांच में नई तकनीकों का प्रभावी इस्तेमाल कर सकें। इससे पुलिस की जांच प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और सक्षम बनाने में मदद मिलेगी।डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के साथ समझौते का उद्देश्य पुलिस की डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना है। इससे पुलिस के कामकाज में तकनीक का अधिक उपयोग होगा और विभिन्न सेवाओं को सरल एवं सुगम बनाया जा सकेगा।

आशियाना पुलिस ने वाहन चोरी के गिरोह का किया खुलासा

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन विधि से संघर्षरत बालकों को पुलिस संरक्षण में लिया है। उनकी निशानदेही पर चोरी की 10 मोटरसाइकिल और एक एक्टिवा स्कूटी समेत कुल 11 दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, इनमें से एक बालक पहले भी वाहन चोरी के मामले में संलिप्त रह चुका है और उसे पूर्व में बाल संरक्षण गृह भेजा जा चुका है।पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर 2026 को अरहम खान पुत्र फिरोज खान निवासी मोहल्ला कटरा, थाना बिजनौर ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दी थी।

मुकेश मिश्रा सहित पांच सहायक शिक्षक बने एआरपी



अयोध्या।बीएसए में शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पांच शिक्षकों को एआरपी के पद पर नई तैनाती दी गई है।बीएसए कार्यालय के मुताबिक सहायक शिक्षक मुकेश कुमार मिश्रा को एआरपी रुदौली विकासखंड की जिम्मेदारी सौंपी गई है।मालूम हो कि सहायक शिक्षक मुकेश मिश्रा इससे पहले भी एआरपी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।वर्तमान में वे मया विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय बेनिया में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।उनके अलावा सदक–ए–हुसैन को सोहावल, अरविन्द कुमार तिवारी को मवई,उमेश तिवारी को अमानीगंज तथा सौरभ पाण्डेय को हैरिंग्टनगंज विकासखंड में एआरपी के पद पर पदस्थापित किया गया है।इन सभी नवागत एआरपी शिक्षकों को विभिन्न शिक्षक संगठन के पदाधिकारी तथा शिक्षकों ने बधाई दिया है।

अयोध्या रेंज के पुलिस महकमे में 150 निरीक्षकों का रेंज के दूसरे जिलों में हुआ तबादला

अयोध्या जिले के 38 निरीक्षकों का हुआ गैर जनपद स्थानांतरण

प्रमुख कोतवाल और थानाध्यक्ष भी स्थानांतरण सूची में शामिल

कार्तिक पूर्णिमा के बाद रिलीव होने की उम्मीदय कई अहम थानों पर नए चेहरों की होगी ताजपोशी

अयोध्या। अयोध्या परिक्षेत्र के पांचों जनपदों में निर्धारित कार्यकाल पूरा कर चुके करीब 150 निरीक्षकों का रेंज के दूसरे जिलों में स्थानांतरण किया गया है।डीआईजी सोमेन वर्मा की ओर से जारी स्थानांतरण सूची में अयोध्या जनपद के 38 निरीक्षकों के नाम शामिल हैं।इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल से अयोध्या पुलिस महकमे में भी व्यापक बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। खास बात यह है कि स्थानांतरण सूची में जिले के कई महत्वपूर्ण थानों और कोतवालियों के प्रभारी निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष भी शामिल हैं।अयोध्या से स्थानांतरित होने वाले निरीक्षकों में मणि शंकर तिवारी, जितेन्द्र प्रताप सिंह, देवेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, देवनाथ प्रसाद, सुरेन्द्र कुमार, राजेश कुमार राय, मो. सुहेल खां, राजेश सिंह, रवीन्द्र यादव, अवधेश सिंह यादव, अमरेन्द्र बहादुर सिंह, सूर्य प्रकाश शुक्ला, राम चन्द्र सरोज, अवधेश कुमार, जनार्दन सिंह, अजय कुमार यादव, रणजीत कुमार, राम स्वारथ यादव, देवेन्द्र सिंह, शशिकान्त यादव, अशोक कुमार यादव, संतोष कुमार यादव, पंकज कुमार सिंह, मु. अली अब्बास खां, संजय मौर्य, सुमित कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी कुमार पाण्डेय, आशीष चन्द्र त्रिपाठी, लालचन्द्र सरोज, संदीप कुमार सिंह, संजीव कुमार सिंह, अभिमन्यु शुक्ला, संतोष कुमार सिंह, राधेश्याम सिंह, गौरीशंकर पाल, हरीश कुमार यादव एवं प्रभावती के नाम शामिल हैं।स्थानांतरण सूची पर नजर डालें तो जिले के कई महत्वपूर्ण थानों की कमान संभाल रहे निरीक्षकों का भी गैर जनपद स्थानांतरण हुआ है। इनमें कोतवाली अयोध्या के प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह, महाराजगंज के थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, कोतवाली रुदौली के प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य, रामजन्मभूमि थानाध्यक्ष सुमित कुमार श्रीवास्तव, पूरा कलंदर थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार पाण्डेय, तारुन थानाध्यक्ष लालचन्द्र सरोज, कोतवाली बीकापुर के प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र प्रसाद पाण्डेय तथा गोसाईगंज थानाध्यक्ष अभिमन्यु शुक्ला शामिल हैं। इनके स्थानांतरण से जिले के कई प्रमुख थानों की पुलिस व्यवस्था में बदलाव होना लगभग तय माना जा रहा है।फिलहाल उम्मीद जताई जा रही है कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व संपन्न होने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर की ओर से स्थानांतरित निरीक्षकों को रिलीव किया जाएगा। यदि एक साथ बड़ी संख्या में निरीक्षकों को कार्यमुक्त किया जाता है तो जिले में नए सिरे से प्रमुख कोतवालियों और थानों पर प्रभारी निरीक्षकों की तैनाती करनी होगी।हालांकि, इस फेरबदल का दूसरा पहलू भी महत्वपूर्ण है। अयोध्या से जहां 38 निरीक्षकों का स्थानांतरण हुआ है, वहीं रेंज के दूसरे जिलों से स्थानांतरित होकर निरीक्षक अयोध्या भी आएंगे। ऐसे में खाली होने वाले महत्वपूर्ण थानों की कमान किसे सौंपी जाएगी, इस पर पुलिस महकमे में चर्चाएं तेज हो गई हैं।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि कोतवाली अयोध्या, रुदौली, पूरा कलंदर, बीकापुर, महाराजगंज, गोसाईगंज और रामजन्मभूमि जैसे संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण थानों की कमान किसे मिलेगी? क्या एसएसपी जिले में पहले से तैनात निरीक्षकों पर भरोसा जताकर उन्हें नई जिम्मेदारी देंगे या दूसरे जनपदों से आने वाले निरीक्षकों को महत्वपूर्ण थानों की कमान सौंपी जाएगी?फिलहाल इतना तय है कि स्थानांतरण के बाद अयोध्या पुलिस महकमे में नई तैनातियों का दौर शुरू होगा और कई महत्वपूर्ण थानों पर नए चेहरों की ताजपोशी देखने को मिल सकती है।

टीएचआर इकाइयों के भुगतान में देरी से महिलाओं की आजीविका प्रभावित

सुलतानपुर, (संवाददाता)। जिले में संचालित टीएचआर (टेक होम राशन) इकाइयों के भुगतान में लगातार देरी और कथित अनियमितताओं को लेकर शुक्रवार को सैकड़ों महिलाओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याएं उठाईं। पांचों टीएचआर प्लांट से जुड़ी समूह महिलाओं ने जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह से मुलाकात कर अपनी आपबीती सुनाई। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी से भी मिलकर शिकायत दर्ज कराई और भुगतान प्रक्रिया में सुधार तथा बकाया धनराशि दिलाने की मांग की। जिले में संचालित सौभाग्य प्रेरणा महिला लघु उद्योग टीएचआर जयसिंहपुर, प्रगति प्रेरणा महिला लघु उद्योग टीएचआर दुबेपुर, संकल्प प्रेरणा महिला लघु उद्योग टीएचआर मगरावा कादीपुर, उद्यमिता प्रेरणा महिला लघु उद्योग टीएचआर देहली बाजार धनपतगंज सहित अन्य इकाइयों की महिलाओं ने भुगतान में देरी, बिल सत्यापन में लापरवाही और भुगतान में कटौती का आरोप लगाया।महिलाओंका कहना है कि आईसीडीएस से प्राप्त लाभार्थियों की संख्या के अनुसार टीएचआर सामग्री का उत्पादन कर आंगनबाड़ी केंद्रों पर वितरण किया जाता है।

एक्सरे के नहीं इंतजाम, दांतों की नहीं हो पा रही जांच

उन्नाव, (संवाददाता)। जिला अस्पताल की डेंटल ओपीडी में हर दिन तकरीबन 60 से 70 मरीज दांत दर्द, सड़न, सूजन और मसूड़ों से जुड़ी समस्याओं का इलाज कराने आते हैं। इसके बावजूद अस्पताल में डेंटल एक्सरे (ओपीजी) की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में डॉक्टरों को दांतों की जड़ों, जबड़े की हड्डियों और अंदरूनी संक्रमण की स्थिति जानने में परेशानी होती है। मरीजों को जांच के लिए निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ता है। इससे इलाज में देरी होने के साथ ही उनकी जेब पर भी बोझ पड़ रहा है। मिठाई, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और पैकेज्ड स्नैक्स के बढ़ते सेवन के साथ दांतों की नियमित सफाई और समय पर जांच नहीं कराने से मुंह संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं। दांतों में सड़न, दर्द, मसूड़ों से खून आना और सूजन जैसी शिकायतें लेकर बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल आते हैं। बीमारी की गंभीरता और दांतों की अंदरूनी स्थिति का पता लगाने के लिए डॉक्टर ओपीजी एक्सरे कराने की सलाह देते हैं। ओपीजी एक्सरे से दांतों की जड़ों में संक्रमण, छिपी सड़न, फोड़े, जबड़े की हड्डी को हुए नुकसान और दांतों की स्थिति का पता लगाने में मदद मिलती है। रूट कैनाल, दांत निकालने और मसूड़ों की गंभीर बीमारियों के इलाज में भी यह जांच उपयोगी होती है लेकिन जिला अस्पताल में यह सुविधा नहीं होने से मरीजों को बाहर जांच करानी पड़ती है। निजी क्लीनिकों में जांच और इलाज का खर्च अधिक होने के कारण कई मरीज एक्सरे कराने से बचते हैं। इससे बीमारी की सही पहचान और उपचार प्रभावित होने का खतरा रहता है। पीरियोडेंटल रोग मसूड़ों के साथ दांतों को सहारा देने वाली हड्डियों को भी प्रभावित करता है। इस बीमारी में मसूड़ों से खून आना, बदबू, सूजन और दांतों का हिलना जैसी समस्याएं होती हैं। समय पर उपचार नहीं मिलने पर दांत गिरने तक की नौबत आ सकती है। ओपीजी जांच से हड्डियों को नुकसान और संक्रमण की स्थिति का आकलन करने में मदद मिलती है। इसके आधार पर डॉक्टर उपचार की दिशा तय कर सकते हैं। डेंटल ओपीडी में रोजाना पांच से दस बच्चे भी दांतों की सड़न और संक्रमण की समस्या लेकर पहुंचते हैं। बच्चों में चॉकलेट, मिठाई और अन्य मीठे खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन तथा नियमित ब्रश नहीं करने से दूध के दांत प्रभावित हो रहे हैं। समय पर संक्रमण की पहचान और उपचार नहीं होने पर आने वाले स्थायी दांतों के विकास पर भी असर पड़ने का खतरा रहता है। ऐसे में जिला अस्पताल में ओपीजी एक्सरे की सुविधा शुरू होने से मरीजों को समय पर जांच और बेहतर उपचार मिलने में मदद मिल सकती है। शासन को पत्र भेजकर डेंटल एक्सरे मशीन उपलब्ध कराने की मांग की जाएगी। इससे मरीजों को राहत मिलेगी।

पेयजल की गुणवत्ता की जिम्मेदारी संभालेंगी 4069 महिलाएं

बांदा, (संवाददाता)। जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधाओं के विस्तार के साथ पानी की गुणवत्ता की निगरानी में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जा रही है। इसी दिशा में जनपद में 4,069 महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता जांच के लिए चिन्हित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर जल गुणवत्ता की निगरानी को मजबूत करना और महिलाओं को पेयजल व्यवस्था से जोड़ना है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना जल जीवन मिशन का प्रमुख उद्देश्य है।

लोहिया भवन में मनाई गई लोकबंधु राज नारायण की जयंती,सपाइयों ने किया नमन



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी जिला एवं महानगर कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन, गुलाबबाड़ी में प्रखर समाजवादी नेता, स्वतंत्रता सेनानी एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रबल पक्षधर लोकबंधु राज नारायण जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई।इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्षपूर्ण जीवन, समाजवादी विचारधारा तथा लोकतंत्र की मजबूती के लिए किए गए योगदान को याद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव ने कहा कि लोकबंधु राज नारायण जी भारतीय राजनीति के ऐसे निर्भीक योद्धा थे, जिन्होंने हमेशा सत्ता के सामने जनहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों, किसानों, मजदूरों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष समाजवादी आंदोलन की अमूल्य धरोहर है। आज समाजवादी पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह उनके विचारों और सिद्धांतों को जन–जन तक पहुंचाए तथा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजबूती से खड़ा रहे।महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि राज नारायण जी का जीवन अन्याय और असमानता के खिलाफ निरंतर संघर्ष की प्रेरणा देता है। उन्होंने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और हमेशा आम आदमी की आवाज बनकर सत्ता को आईना दिखाया। वर्तमान समय में उनके विचारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान, अधिकार और न्याय दिलाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सपा प्रवक्ता लवलेश पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम में जिला महासचिव एजाज अहमद,स्वामी नाथ वर्मा,महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम,अंसार अहमद बब्बन,मोहम्मद जैगम,राशिद सलीम घोसी,पूजा वर्मा,सूर्यकांत पांडे,वीरेंद्र गौतम,वसी हैदर,असलम सईद सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने एसआई स्तुति गुप्ता,प्रतीक्षा व किरन पाल सहित 39 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल



अयोध्या।एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने तीन महिला उपनिरीक्षक सहित 39 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए उन्हें नई चौकियों पर तैनाती दी है।उन्होंने उपनिरीक्षक संजय कुमार यादव को नवीनमंडी कोतवाली नगर से तरौली बाजार थाना इनायतनगर,आशीष सिंह को अलीगढ़ से कन्धईकला थाना खण्डासा, रोहित कुमार पाण्डेय को फतेहगंज से बिशुन बाबा थाना हैदरगंज, आदर्श विक्रम सिंह को साहबगंज से रामपुरभगन थाना तारून, मनोज कुमार को मऊशिवाला से तमसाघाट रसूलाबाद थाना महराजगंज, शुभम सिंह को सदर बाजार से चौरे बाजार बीकापुर, पंकज सिंह को औद्योगिक क्षेत्र कैंट से चिलबिली कुमारगंज,अभिषेक कुमार को हसनू कटरा से अमसिन गोसाईगंज भेजा है।वही महिला उपनिरीक्षक किरनपाल को मीरनघाट से ऐहार रुदौली, बृजभूषण पाठक को दर्शन नगर से हाईवे प्रथम (गंगरेला) पटरंगा, राहुल बाजपेयी को रानोपाली से सत्ती चौरा रौनाही, राणा दिग्विजय सिंह को रायगंज से ड्योढ़ी बाजार रौनाही, संदीप कुमार को लक्ष्मणघाट से मवई चौराहा, शेषनाथ राय को कटरा रामजन्मभूमि से मां कामाख्या देवी धाम बाबा बाजार, अमरेन्द्र प्रताप सिंह को गंजा पूराकलंदर से दिलासीगंज गोसाईगंज, जितेन्द्र कुमार को छतिवा पूराकलंदर से गयासपुर तारून, अजीत कुमार पासवान को करमा पूराकलंदर से अधियारी खण्डासा, अमर बहादुर पटेल को ड्योढ़ी बाजार रौनाही से अलीगढ़ कोतवाली नगर, प्रिंस सिंह को अमसिन गोसाईगंज से फतेहगंज कोतवाली नगर, बुद्धिमान सिंह को चौरे बाजार बीकापुर से जनौरा अंडरपास कोतवाली नगर, विकास कुमार मौर्य को गयासपुर तारून से कटरा रामजन्मभूमि, श्रीपति मौर्य को बिशुन बाबा हैदरगंज से साहबगंज कोतवाली नगर, अंशुल वर्मा को भोपा डुहिया हैदरगंज से नवीनमंडी कोतवाली नगर तथा विक्रम सिंह को तरौली बाजार इनायतनगर से औद्योगिक क्षेत्र थाना कैंट का प्रभारी बनाया है।जबकि

उपनिरीक्षक राहुल कुमार यादव को चौकी आस्तीकन धाम थाना इनायतनगर से चौकी रेछ थाना बाबा बाजार, शैलेन्द्र मणि को चौकी चिलबिली थाना कुमारगंज से चौकी दर्शन नगर कोतवाली अयोध्या, अभिषेक सिंह को चौकी नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय थाना कुमारगंज से चौकी करमा थाना पूराकलन्दर, खुशाल प्रसाद को चौकी कन्धईकला थाना खण्डासा से चौकी हनुमानगढ़ी थाना आरजेबी, गौरव सिंह को चौकी अमरगंज थाना खण्डासा से चौकी रानोपाली कोतवाली अयोध्या भेजा गया है।इसी क्रम में महिला उपनिरीक्षक स्तुति गुप्ता को चौकी ऐहार थाना रुदौली से चौकी मीरनघाट थाना कैंट, आयुष यादव को चौकी रामदास नगर थाना मवई से चौकी लक्ष्मणघाट कोतवाली अयोध्या, प्रभात कुमार द्विवेदी को चौकी मवई चौराहा थाना मवई से चौकी मऊशिवाला थाना कैंट, महिला उपनिरीक्षक प्रतीक्षा को चौकी दिवाली थाना पटरंगा से चौकी सदर बाजार थाना कैंट, सौरभ सिंह को चौकी हाईवे प्रथम (गंगरेला) थाना पटरंगा से चौकी गंजा थाना पूराकलन्दर, विपिन कुमार मौर्य को चौकी रेछ थाना बाबा बाजार से चौकी हसनू कटरा थाना कैंट तथा हर्षित मिश्रा को चौकी मां कामाख्या देवी धाम थाना बाबा बाजार से चौकी रायगंज कोतवाली अयोध्या भेजा गया है। वहीं उपनिरीक्षक आशीष सिंह को पुलिस लाइन से चौकी रामदास नगर थाना मवई, आलोक कुमार सिंह को चौकी सत्ती चौरा थाना रौनाही से चौकी भोपा डुहिया थाना हैदरगंज तथा नरेश कुमार सिंह को चौकी हनुमानगढ़ी थाना आरजेबी से दर्शन सेल में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बल्दीराय के नवागत बीईओ अरविंद कुमार ने संभाली कमान,शिक्षक संघ ने किया जोरदार स्वागत



ब्यूरो चीफ – आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर।बल्दीराय के बेसिक शिक्षा विभाग को नया नेतृत्व मिल गया है।नवागत खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने सोमवार को बीआरसी बल्दीराय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनके आगमन पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई ने अध्यक्ष राज बख्श मौर्य के नेतृत्व में गर्मजोशी से स्वागत किया।प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर नवागत बीईओ का अभिनंदन किया।कार्यभार ग्रहण करने के बाद हुई शिष्टाचार भेंट में बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने,विद्यालयों के भौतिक परिवेश को बेहतर बनाने और शिक्षकों की लंबित समस्याओं के त्वरित निस्तारण का मुद्दा प्रमुखता से उठा।शिक्षक प्रतिनिधियों ने शिक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए संगठन की ओर से सहयोग का भरोसा दिया।नवागत बीईओ अरविंद कुमार ने कहा कि शिक्षक हितों की रक्षा,विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करना प्राथमिकता रहेगी।इसके लिए विभागीय अधिकारियों और शिक्षक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर काम किया जाएगा।इस मौके पर ब्लॉक मंत्री स्वामीनाथ, अवधेश तिवारी, चंद्रपाल पाठक, वीरेंद्र कुमार यादव, ऋषिराज, सुदीप कुमार सिंह, राजकुमार, विष्णु दत्त पांडेय, महेश कुमार, रामबरन, सीमा यादव, दीपिका यादव, राममूर्ति गुप्ता, रमाशंकर मिश्रा, रोहित रमण यादव और कृष्ण कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

सड़क हादसे में आईजीआरएस प्रभारी घायल,जिला चिकित्सालय में भर्ती

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र के सिविल लाइन स्थित रामपथ पर सड़क हादसे में आईजीआरएस प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र यादव घायल हो गए।तीन पहिया वाहन उनके पैर पर चढ़ गया।जिससे उनके पैर, सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।स्थानीय लोगों और पुलिस कर्मियों की मदद से



घायल निरीक्षक को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया।जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है।घटना की जानकारी मिलते ही सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा समेत अन्य पुलिस कर्मी जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायल निरीक्षक का हालचाल लिया।सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी ने बताया कि घायल निरीक्षक का उपचार कराया जा रहा है।उन्होंने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले वाहन को पुलिस ने पकड़ लिया है।मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

'शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध करें निस्तारण:-जिलाधिकारी'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' सोमवार को जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान कुल 101 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा



कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेन्द्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रेडक्रॉस कार्यालय में सात दिवसीय दिव्यांगजन सहायता शिविर का सफल समापन

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहांपुर' जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय के सहयोग से आयोजित शिविर में कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण एवं ट्राईसाइकिल सहित अन्य सहायक उपकरणों के लिए हुई पहल एवं सरकार की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के नेतृत्व एवं जिला प्रशासन के दिश।



सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।